वाक्यार्थसभा-प्रतिवेदनम्

श्री दीवान कृष्ण किशोर
सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज
जगाधरी रोड़, अम्बाला छावनी - 133001 (हरियाणा)
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय योजनान्तर्गत,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली से सम्बद्ध)
दूरभाष : 0171-2634283
ई-मेल : sdascambala@gmail.com
https://sdsanskritcollegeambala.in/

पावका नः सरस्वती

Approved as Research Centre

SH. DEWAN KRISHNA KISHOR
S.D. ADARSH SANSKRIT COLLEGE
Jagadhri Road, Ambala Cantt.-133 001 (Haryana)
(Affiliated to Central Sanskrit University New Delhi,
Ministry of Education, Govt. of India Under the
scheme of Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya)
Tel.: 0171-2634283
E-mail : sdascambala@gmail.com
https://sdsanskritcollegeambala.in/

क्रमांक SDAS/सूचना/2026/419 कार्यालय आदेश दिनांक 23-10-2026

विषय: - महाविद्यालय में वाक्यार्थ सभाओं के नियमित आयोजन हेतु वाक्यार्थ परिषद् का गठन-

भारतीय ज्ञान-परम्परा की अक्षुण्णता बनाए रखने, शास्त्रार्थ एवं वाक्यार्थ की समृद्ध परम्परा का संवर्धन करने तथा शास्त्रों के गहन अध्ययन, तात्त्विक विवेचन एवं शास्त्रीय ज्ञान के समुत्कर्ष के उद्देश्य से दिनांक 06.10.2026 को सर्वसम्मति से महाविद्यालय में वाक्यार्थ परिषद् के गठन का निर्णय लिया गया।

तदनुसार, वाक्यार्थ परिषद् की निम्नलिखित कार्यकारिणी गठित की जाती है

1. अध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार (प्रभारी-व्याकरण विभाग)
2. सचिव डॉ. नितिन कुमार (प्रभारी-वेद विभाग)
3. सदस्य डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराड़ी (प्राध्यापक-साहित्य)
4. सदस्य डॉ. वीरेन्द्र शर्मा (प्राध्यापक-ज्योतिष)

परिषद् द्वारा निर्धारित नियमों एवं उद्देश्यों के अनुरूप महाविद्यालय में प्रतिमाह वाक्यार्थ सभा का आयोजन किया जाएगा। इन सभाओं के माध्यम से भारतीय ज्ञान-परम्परा, शास्त्रीय विमर्श, तर्कपूर्ण संवाद तथा शास्त्राध्ययन की परम्परा को प्रोत्साहित एवं समृद्ध किया जाएगा।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

विपिन कुमार
प्राचार्य

कार्यक्रम-सूचना प्रचारः

(Social Media)



वाक्यार्थसभाया: उद्घाटनं प्रथमाधिवेशनञ्च

हरियाणाप्रान्तस्थ-अम्बालाछावनीस्थे श्रीदीवान-कृष्ण-किशोर-सनातन-धर्म-आदर्श-संस्कृतमहाविद्यालयस्य भारतीयज्ञानपरम्परायाः संरक्षणे संवर्धने च विशिष्टं योगदानं वरीवृत्यत इति न संशीतिः। अयं महाविद्यालय: विभिन्नसभासङ्गोष्ठिसम्मेलनानां माध्यमेन शास्त्रवैभवं प्रथयति दृढयति च। तस्मिन्नेव क्रमे इह प्राचार्याणामाध्यक्षत्वे वाक्यार्थसभायै वाक्यार्थपरिषद: स्थापना जाता। तस्या: उद्घाटनं प्रथमाधिवेशनञ्च ३०.१०.२६ तमे दिनाङ्के सुसम्पन्नम्। उद्घाटनं स्वस्तिवाचनमन्त्रैः सर्वे प्राध्यापकाः छात्राश्च सम्भूय अकार्षुः। तदनन्तरं दीपप्रज्ज्वालनं सरस्वत्यर्चनं तिलकार्चनं चेत्यादयः कार्यक्रमाः प्राध्यापकैः छात्रैश्चानुष्ठीताः। प्राचार्यस्य डॉ.विष्णुदत्तशर्मावर्यस्य आध्यक्ष्ये कार्यक्रमः सम्पन्नतामगात्।

- ❖प्राचार्येण **डॉ.विष्णुदत्तशर्मणा** स्वोद्बोबने शास्त्रार्थपरम्पराया: विस्तृतम् ऐतिह्यं प्रस्तूय वाक्यार्थसभायां भागग्रहीतुं मार्गदर्शनमकारि।
- ❖ सभासञ्चालनं परिषदध्यक्षेण **डॉ.विपिनकुमारेण** अकारि। तेन सविस्तरेण वाक्यार्थसभाया: प्रयोजनं, शास्त्रार्थपरम्पराया: ऐतिह्यं, २०४७तमे वर्षे विकसितभारताय पाथेयसूत्रम्, नवीनशिक्षानीतौ भारतीयज्ञानप्रणाल्या: महत्त्वञ्चेति नानाविषया: शास्त्रीयरीत्या प्रस्तुता: ।
- ❖अस्मिन् पावनावसरे महाविद्यालयस्य वरिष्ठाचार्य: **डॉ.श्यामनाथझाः** ज्योतिषशास्त्रानुसारं कालविवेचनं विस्तरेण प्रास्तौत्। तत्र कालस्य स्वरूपम्-सृष्टेः स्थितेः प्रलयस्य चाधारः, कालस्य विभागाः-नाक्षत्रिककालः, सावनकालः, चान्द्रकालः, सौरकालः इत्यादयः, कालगणनाधारः, कालस्य प्रमुखाः एकका:, ज्योतिषशास्त्रस्य दैनिकजीवने उपयोगिता, तस्य सन्देशः, प्रयोजनञ्चेत्यादयः विषयाः उदाहरणैः प्रत्युदाहरणैः विवेचिताः।
- ❖**डॉ.बुद्धिबल्लभदेवराड़ीमहोदयेन** पण्डितराजजगन्नाथदिशा विभिन्नोदाहरणै: काव्यलक्षणं प्रस्तुतम्। तेन काव्यस्य स्वरूपम्, काव्यलक्षणम्, शब्दार्थयोः महत्त्वम्, रमणीयतायाः स्वरूपम्, काव्यस्य प्रयोजनञ्च विविधाः विषयाः प्रतिपादिताः।
- ❖तृतीयवक्तृत्वेन **श्रीलिखितशर्मणा** वैयाकरणनये रप्रत्याहारविवेचनं अबोधि। अयं व्याकरणशास्त्रस्य मूलं तु माहेश्वरसूत्राणामनुबन्धा: एव। 'प्रत्याह्रियन्ते संक्षिप्यन्ते वर्णा: यत्रेति प्रत्याहार:'। प्रत्याहारस्य स्वरूपम्, र-प्रत्याहारस्य निर्माणम्, नागेशभट्टस्य

योगदानम्, प्रत्याहारस्य उपादेयता शास्त्रीयञ्च महत्त्वम् एतैः विषयैस्सह रप्रत्याहारविषये दीक्षितनागेशयोः मतैक्यं नास्तीति दीक्षितः रप्रत्याहारं स्वीकारोति नागेशस्तु तं निराकरोतीति च अवादीत्।

प्राचार्यस्य उद्बोधनात्परं परिषदध्यक्षेण समुपस्थितानां धन्यवादः व्याहृतः। एकेन स्वरेण प्राध्यापकाः छात्राश्च शान्तिमन्त्रेण प्रसादवितरणेन च सभायाः समापनमकार्षुः। सभायां **सदस्यसचिवः डॉ.नितिनकुमारः, डॉ.रेणूवत्सः, डॉ.वीरेन्द्रशर्मा, डॉ.गगनदीपसिंहः, डॉ.वीरेन्द्रप्रकाशः, डॉ.मनीषभारद्वाजः, श्रीकमलेशः छात्राश्च** समवेताः अभूवन्।

कार्यक्रम-चित्राणि



दीपप्रज्वालनद्वारा उद्घाटनं कुर्वन्तः प्राचार्याः



स्वागतं कुर्वन् प्राध्यापकः प्राचार्याणां विदुषां च



प्राध्यापकाः छात्राश्च स्वस्तिवाचनं कुर्वन्तः



प्रास्ताविकं वदन् परिषदक्ष्यक्षः

वक्तारः श्रोतारश्च







समाचारपत्रेषु वाक्यार्थसभा

दैनिक पंजाब का सच | www.punjabkasach.com | पेज-5 | punjabkasach@gmail.com | बठिंडा, शुक्रवार, 30 अक्तूबर 2026

संस्कृत महाविद्यालय में 'वाक्यार्थसभा' का भव्य आयोजन, विद्वानों ने विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर रखे विचार



सुदेश कलरैया, 30 अक्तूबर, अंबाला। भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत भाषा एवं शास्त्रीय चिंतन की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अंबाला छावनी में दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को 'वाक्यार्थसभा' का आयोजन किया गया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से संबद्ध इस महाविद्यालय में आयोजित होने वाली यह सभा संस्कृत के विद्वानों एवं विद्यार्थियों के लिए शास्त्रीय विमर्श, तर्क-वितर्क तथा ज्ञान के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच है। कार्यक्रम में विभिन्न विद्वानों द्वारा अलग-अलग शास्त्रीय विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए गये। "डॉ. विपिन कुमार द्वारा प्राग्राभिकम्, डॉ. श्यामनाथझा द्वारा कालतिथिविवेचनम्, डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराड़ी द्वारा पण्डितराजस्य काव्यलक्षणम् श्री लिखित शर्मा द्वारा स्फोटावतारविवेचनम् विषय पर व्याख्यान एवं शास्त्रीय विवेचन प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम का मार्गदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विष्णुदत्त जमे के निर्देशन में किया जा गया। वहीं, वाक्यार्थपरिषद् के अध्यक्ष के रूप में डॉ. विपिन कुमार तथा सचिव के रूप में डॉ. नितिन कुमार की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

वाक्यार्थसभा संस्कृत की प्राचीन शास्त्रार्थ परंपरा का जीवंत स्वरूप है, जिसमें तर्क, प्रमाण, व्याकरण, काव्यशास्त्र एवं विभिन्न शास्त्रीय सिद्धांतों के माध्यम से विषयों का गहन विश्लेषण किया जाता है। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल, शास्त्रीय ज्ञान तथा संस्कृत भाषा के प्रति रुचि का विकास होता है।

महाविद्यालय का यह प्रयास न केवल संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन को नई दिशा प्रदान करता है, अपितु भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। कार्यक्रम के माध्यम से संस्कृत को वाद-विवाद एवं संवाद परंपरा को सशक्त बनाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है।

डी.ए.वी. स्कूल नारायणगढ़ में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।



पंजाब का सच धरखा राम नारायणगढ़ : डी.ए.वी. स्कूल नारायणगढ़ के प्रांगण में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्रामीण सुश्री आकांक्षा गोयल, एच.डी. जे.एम.आई.सी. (न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी), नारायणगढ़ ने शिरकत की।इनके अतिरिक्त पैनल एडवोकेट श्री संजीव कुमार और सी. एडवोकेट श्री देवेंद्र सिंह जी एवं श्री मती मनजीत कुमारी (पी.एच.सी.) ने मुख्य रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि को पौधा पात्र भेंट करके किया गया। कार्यक्रम में कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अधिवक्ता श्री देवेंद्र सिंह जी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को कानूनी साक्षरता के महत्व तथा पॉक्सो अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं किसी भी प्रकार के शोषण के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।इसी तरह पैनल अधिवक्ता श्री संजीव कुमार जी ने भी विद्यार्थियों को साइबर क्राइम व डिजिटल अरेस्ट जैसे गंभीर विषयों के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात सुरक्षा एवं जागरूकता का प्रभावशाली संदेश दिया गया। इसके साथ ही हरियाणवी तुलना की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से समाज में बच्चों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने जीवन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार तथा शोषण के विरुद्ध अधिकार के महत्व को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श तथा साइबर के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी।विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आर.पी. राठी ने मुख्य अतिथि सुश्री आकांक्षा गोयल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि ने विभिन्न गतिविधियों के लिए विद्यार्थियों को सम्मानित किया।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. आर.पी. राठी द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया ।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 31 अक्टूबर को नारायणगढ़ में होगा कार्यक्रम-एसडीएम शिवजीत भारती



पंजाब का सच धरखा राम नारायणगढ़, : 30 अक्टूबर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर नारायणगढ़ में भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एसडीएम शिवजीत भारती ने बताया कि राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में लघु सचिवालय, नारायणगढ़ के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रात: 10 बजे कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई जाएगी।

एसडीएम ने बताया कि राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति नागरिकों को जागरूक करना तथा राष्ट्र की एकता एवं आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके इसी योगदान को याद करते हुए प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यक्रम में निर्धारित समय पर पहुंचने तथा शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने तथा देशवासियों के बीच सद्भाव और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया जाएगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी होने के अवसर पर केवीके, पंचकूला में कार्यक्रम आयोजित



पंचकूला, सुधांश चन्द्र कोहली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त देशभर के पात्र किसानों के बैंक खातों में जारी की गई। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, पंचकूला में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अजय मित्तल, भाजपा जिला अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में कृषि विभाग के उप निदेशक राकेश पौरिया, कृषि विज्ञान केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समन्वयक डॉ. श्रीदेवी, भाजपा के महामंत्री जय कौशिक, मार्केट कमेटी पंचकूला के चेयरमैन सुरेन्द्र सभ्भी सहित कृषि वैज्ञानिक, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अजय मित्तल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने वाली एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि आज जारी की गई 24वीं किस्त के अंतर्गत हरियाणा प्रदेश के 16 लाख 18 हजार 808 किसानों के बैंक खातों में कुल 324 करोड़ 75 लाख 90 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की गई है। इस किस्त के साथ ही योजना की शुरुआत से अब तक प्रदेश के किसानों को कुल लगभग 8,206 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि जिला पंचकूला के 17,939 किसानों के खातों में 3 करोड़ 59 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित की जा रही है। इससे जिले के किसानों को कृषि संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के उप निदेशक राकेश पौरिया ने किसानों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं एवं किसान कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती तथा कृषि में वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा भी किसानों को कृषि संबंधी तकनीकी जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से सीधे बैंक खातों में आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

त्योहारों के सीजन में बिलासपुर पुलिस सख्त, तीन दिन से काटे जा रहे वाहनों के चालान

गलत साइड पार्किंग से बढ़ रहा ट्रैफिक, पुलिस ने लोगों से की यातायात नियमों का पालन करने की अपील



बिलासपुर (हरदेव सिंह)। त्योहारों का सीजन शुरू होते ही बिलासपुर शहर में खरीदारी की रौनक बढ़ने लगी है। खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग बाजार पहुंच रहे हैं, जिसके चलते शहर में यातायात का दबाव भी बढ़ रहा है। वहीं, कुछ वाहन चालक अपने वाहनों को सड़क के गलत साइड में खड़ा करके दुकानों में चले जाते हैं, जिससे सड़क पर जाम जैसी स्थिति पैदा हो जाती है और अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुए बिलासपुर पुलिस ने यातायात नियमों की पालना करवाने के लिए सख्ती बढ़ा दी है। पिछले तीन दिनों से बिलासपुर पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे जा रहे हैं। पुलिस की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य बाजार में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना और आम लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाना है। विशेष रूप से सड़क पर गलत तरीके से वाहन खड़े करने वालों पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बाजार की सड़कों पर आवागमन बाधित न हो।

अक्सर देखने में आता है कि कुछ लोग जरूरतमंदी में अपनी गाड़ियां सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़ी कर देते हैं और खरीदारी करने दुकानों में चले जाते हैं। ऐसे में पीछे से आने वाले वाहनों के लिए रास्ता संकरा हो जाता है। इससे न केवल आम वाहन चालकों को परेशानी होती है, बल्कि बाजार में पैदल चलने वाले लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। त्योहारों के दिनों में बाजार में भीड़ बढ़ने के कारण इस तरह की लापरवाही और अधिक परेशानी पैदा कर सकती है। इस संबंध में जब मिरर 71 की टीम ने बिलासपुर थाना प्रभारी एसाइपओ विनोद सैनी से बातचीत की तो उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि लोगों का सहयोग चाहते हैं और आने मेले का आयोजन भी होना है। ऐसे में बाजार तथा मुख्य सड़कों पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों को निर्धारित और उचित स्थान पर ही खड़ा करें तथा सड़क पर गलत तरीके से पार्किंग करने से बचें। यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। पुलिस का उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करना और शहर में यातायात को व्यवस्थित बनाए रखना भी है।

आगामी त्योहारों और मेले को देखते हुए बिलासपुर में यातायात व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। बाजार में आने वाले दुकानदारों, ग्राहकों और अन्य वाहन चालकों से भी सहयोग की अपेक्षा की जा रही है। यदि लोग अपनी गाड़ियों को सही स्थान पर खड़ा करें और यातायात नियमों का पालन करें तो जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इस चारे में जब मिरर 71 की टीम ने आम लोगों से बातचीत की तो लोगों ने बताया कि बिलासपुर शहर में पार्किंग की बहुत बड़ी समस्या है।

बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों को अपने वाहन खड़े करने के लिए उचित स्थान नहीं मिल पाता। ऐसे में कई बार लोग मजबूरी में अपनी गाड़ियां सड़क के किनारे खड़ी कर देते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और जाम की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन करवाना जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही शहर में पार्किंग की उचित व्यवस्था करना भी बेहद आवश्यक है। यदि बाजार में वाहनों को खड़ा करने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध करवाया जाए तो गलत पार्किंग की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि बिलासपुर में पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि त्योहारों और मेले के दौरान आजार में आने वाले दुकानदारों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

सीतापुर में सिंचाई संघ ने 12 सूत्रीय मांगों को जिला अधिकारी माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन



मनोज कुमार सिंह सीतापुर, सीतापुर। सिंचाई संघ उत्तर प्रदेश की जनपद शाखा सीतापुर ने सिंचाई विभाग में कार्यरत सीनियर सहायक, नलकूप चालक एवं सीनियर पर्यवेक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग उठाई है। संघ की ओर से मुख्यमंत्री, जलशक्ति मंत्री और मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की जिलाधिकारी सीतापुर के माध्यम से ज्ञापन भेजकर 12 सूत्रीय मांगों पर कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं, वेतन विसंगतियों, पदोन्नति, रिक्त पदों पर भर्ती, अतिरिक्त कार्य के बदले भत्ता और अन्य विभागीय सुविधाओं से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं। संघ ने शासन से मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र समाधान करने की अपील की है। ज्ञापन में उठाई प्रमुख मांगेंसंघ ने तीनों संवर्गों के कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए विभाग और शासन स्तर पर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है,संघ ने नलकूप चालक संवर्ग में रिक्त पदों को भरने की मांग उठाई है।



ज्ञापन के अनुसार, प्रदेश में राजकीय नलकूपों की संख्या बढ़ने के बावजूद कर्मचारियों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है। संघ ने रिक्त पदों पर भर्ती कर कर्मचारियों पर चढ़ रहे कार्यभार को कम करने की मांग की है।

दैनिक पंजाब 31.10.2026

RNI No. : GUJSAN/2011/39893

दैनिकं संस्कृतवार्तापत्रम्

विश्वस्य वृत्तान्तः

Vishvasya Vrutantam
(Sanskrit Daily Newspaper)

शिवराज डा 'शान्तेय'
संपादक

मुर्तुजा खंभातवाला
प्रकाशक

e-mail : vishvasya.vrutantam@gmail.com Whatsapp No. : 8780434516

वाक्यार्थसभायाः प्रथमाधिवेशनम् 2

अमितशाहः अर्नबचक्रवातं प्रति चतुर्णां राज्यानां मुख्यमन्त्रिभिः सह अकरोत् वार्तालापम्, 5

एकतानगरे पर्यटकानाम् आकर्षणाय नूतनं पर्यटनस्थलम् 6

संक्षिप्तवार्ताः

वाक्यार्थसभायाः प्रथमाधिवेशनम्



(वार्ताहर : - डॉ.विपिनकुमारः)

हरियाणाप्रान्तस्थ-अम्बालाछावनीस्थे श्रीदीवान-कृष्ण-किशोर-सनातन-धर्म-आदर्श-संस्कृतमहाविद्यालयस्य भारतीयज्ञानपरम्पराया: संरक्षणे संवर्धने च विशिष्टं योगदानं वरीवृत्यत इति न संशीतिः।अयं महाविद्यालयः विभिन्नसभासङ्गोष्ठिसम्मेलनानां माध्यमेन शास्त्रवैभवं प्रथयति दृढयति च। तस्मिन्नेव क्रमे इह प्राचार्याणामाध्यक्षत्वे वाक्यार्थसभायै वाक्यार्थपरिषदः स्थापना जाता। तस्याः उद्घाटनं प्रथमाधिवेशनञ्च ३०.१०.२६ तमे दिनाङ्गे सुसम्पन्नम्। प्राचार्येण स्वोद्बोबने शास्त्रार्थपरम्पराया: विस्तृतम् ऐतिह्यं प्रस्तूय वाक्यार्थसभायां भागग्रहीतुं सर्वान् आह्वानञ्च कृतम्।

सभासञ्चालनं परिषदध्यक्षेण डॉ.विपिनकुमारेण अकारि। तेन सविस्तरेण वाक्यार्थसभायाः प्रयोजनं, शास्त्रार्थपरम्परायाः ऐतिह्यं, २०४७ तमे वर्षे विकसितभारताय पाथेयसूत्रम्, नवीनशिक्षानीतौ भारतीयज्ञानप्रणाल्याः महत्त्वञ्चेति नानाविषयाः शास्त्रीयरीत्या प्रस्तुताः ।

अस्मिन् पावनावसरे महाविद्यालयस्य वरिष्ठाचार्यः डॉ.श्यामनाथझाः ज्योतिषशास्त्रानुसारं कालविवेचनं प्रास्तौत्।

तदनन्तरं डॉ.बुद्धिबल्लभेन पण्डितराजजगन्नाथदिशा विभिन्नोदाहरणैः रससमीक्षणं विहितम्। तृतीयवक्तृत्वेन श्रीलिखितशर्मणा वैयाकरणनयेरप्रत्ययाहारविवेचनं अबोधि।

दीपप्रज्वालनेन सरस्वत्यर्चनेन च सभायाः उद्घाटनं प्राचार्येण कृतम्। तदनन्तरं महाविद्यालयस्य प्राध्यापकाः छात्राश्च एकश्रुत्या सम्भूय स्वस्तिवाचनमकार्षुः। धन्यवादज्ञापनेन, शान्तिमन्त्रेण प्रसादवितरणेन च सभायाः समापनं जातम्। सभायां सदस्यसचिवः डॉ.नितिनकुमारः, डॉ.रेणूवत्सः, डॉ.वीरेन्द्रशर्मा, डॉ.गगनदीपसिंहः, डॉ.वीरेन्द्रप्रकाशः, डॉ.मनीषभारद्वाजः, श्रीकमलेशः छात्राश्च समुपस्थिताः अभूवन्।

संस्कृत लोकः
दैनिक चैतन्य लोक
शनिवार
31 अक्टूबर 2026
पाकत्रा स्थन देवा हत्सु जानीथ मर्त्यम्।
संस्कृत और संस्कृति का समागम

वाक्यार्थसभायाः प्रथमाधिवेशनम्

डॉ. विपिनकुमारः
(चैतन्य लोक)

हरियाणाप्रान्तस्थ-अम्बालाछावनिस्थे श्रीदीवान-कृष्ण-किशोर-सनातन-धर्म-आदर्श-संस्कृतमहाविद्यालयस्य भारतीयज्ञानपरम्परायाः संरक्षणे संवर्धने च विशिष्टं योगदानं वरीवृत्यते इति न संशीतिः। अयं महाविद्यालयः विभिन्नसभासङ्गोष्ठिसम्मेलनानां माध्यमेन शास्त्रवैभवं प्रथयति, दृढयति च। तस्मिन्नेवक्रमे अत्र प्राचार्याणाम् अध्यक्षत्वे वाक्यार्थसभायै वाक्यार्थपरिषदः स्थापना जाता। तस्याः उद्घाटनं प्रथमाधिवेशनञ्च ३०.१०.२०२६ तमे दिनाङ्के सुसम्पन्नम्। प्राचार्येण स्वोद्बोधने शास्त्रार्थपरम्परायाः विस्तृतम् ऐतिह्यं प्रस्तुत वाक्यार्थसभायां भागग्रहीतुं सर्वान् आह्वानं च कृतम्। सभासञ्चालनं परिषदध्यक्षेण डॉ. विपिनकुमारेण अकारि। तेन सविस्तरेण वाक्यार्थसभायाः प्रयोजनं, शास्त्रार्थपरम्परायाः ऐतिह्यम्, २०४७ तमे वर्षे विकसितभारताय पाथेयसूत्रम्, नवीनशिक्षानीतौ भारतीयज्ञानप्रणाल्याः महत्त्वं चेति नानाविषयाः शास्त्रीयरीत्या प्रस्तुताः। अस्मिन् पावनावसरे महाविद्यालयस्य वरिष्ठाचार्यः डॉ. श्यामनाथझा ज्योतिषशास्त्रानुसारं कालविवेचनं प्रास्तौत्। तदनन्तरं डॉ. बुद्धिबल्लभेन पण्डितराजजगन्नाथदिशा विभिन्नोदाहरणैः रससमीक्षणं विहितम्। तृतीयवक्तृत्वेन श्रीलिखितशर्मणा वैयाकरणनये रप्रत्ययाहारविवेचनम् अबोधि। दीपप्रज्वालनेन सरस्वत्यर्चनेन च सभायाः उद्घाटनं प्राचार्येण कृतम्। तदनन्तरं महाविद्यालयस्य प्राध्यापकाः छात्राश्च एकश्रुत्या सम्भूय स्वस्तिवाचनम् अकुर्वन्। धन्यवादज्ञापनेन, शान्तिमन्त्रेण प्रसादवितरणेन च सभायाः समापनं जातम्। सभायां सदस्यसचिवः डॉ. नितिनकुमारः, डॉ. रेणूवत्सः, डॉ. वीरेन्द्रशर्मा, डॉ. गगनदीपसिंहः, डॉ. वीरेन्द्रप्रकाशः, डॉ. मनीषभारद्वाजः, श्रीकमलेशः तथा छात्राश्च समुपस्थिताः अभूवन्।



पेज बचाओ वृक्ष बचाओ आभयान क अन्तगत हिमसस्कृतम् न्यास (प.86/2026) द्वारा इ-दानक सस्कृत समाचार पत्र का पहल हिमसस्कृतवाता

हिमसंस्कृतवार्ताः 9 अक्तूबर 31, 2026 Website- www.himsanskritam.com Email-himsanskrit@gmail.com



वाक्यार्थसभायाः प्रथमाधिवेशनम्

हिमसंस्कृतवार्ताः- डॉ. विपिनकुमारः।

हरियाणाप्रान्तस्थ-अम्बालाछावनीस्थे श्रीदीवान-कृष्ण- किशोर- सनातन- धर्म- आदर्श-संस्कृतमहाविद्यालयस्य भारतीयज्ञानपरम्परायाः संरक्षणे संवर्धने च विशिष्टं योगदानं वरीवृत्यत इति न संशीतिः। अयं महाविद्यालयः विभिन्नसभा-सङ्गोष्ठिसम्मेलनानां माध्यमेन शास्त्रवैभवं प्रथयति दृढयति च। तस्मिन्नेव क्रमे इह प्राचार्याणामाध्यक्षत्वे वाक्यार्थसभायै वाक्यार्थपरिषदः स्थापना जाता। तस्याः उद्घाटनं प्रथमाधिवेशनञ्च ३०.१०.२६ तमे दिनाङ्के सुसम्पन्नम्। प्राचार्येण स्वोद्बोधने शास्त्रार्थपरम्परायाः विस्तृतम् ऐतिह्यं प्रस्तुय वाक्यार्थसभायां भागग्रहीतुं सर्वान् आह्वानञ्च कृतम्। सभासञ्चालनं परिषदध्यक्षेण डॉ. विपिनकुमारेण अकारि। तेन सविस्तरेण वाक्यार्थसभायाः प्रयोजनं, शास्त्रार्थपरम्परायाः ऐतिह्यं, २०४७तमे वर्षे विकसितभारताय पाथेयसूत्रं, नवीनशिक्षानीतौ भारतीय- ज्ञान- प्रणाल्याः महत्त्वञ्चेति नानाविषयाः शास्त्रीयरीत्या प्रस्तुताः। अस्मिन् पावनावसरे महाविद्यालयस्य वरिष्ठाचार्यः डॉ. श्यामनाथझाः ज्योतिषशास्त्रानुसारं कालविवेचनं प्रास्तौत्। तदनन्तरं डॉ. बुद्धिवल्लभेन पण्डितराजजगन्नाथदिशा विभिन्नोदाहरणैः रससमीक्षणं विहितम्। तृतीयवक्तृत्वेन लिखितशर्मणा वैयाकरणनये रप्रत्ययाहारविवेचनं अबोधि। दीपप्रज्वालनेन सरस्वत्यर्चनेन च सभायाः उद्घाटनं प्राचार्येण कृतम्। तदनन्तरं महाविद्यालयस्य प्राध्यापकाः छात्राश्च एकश्रुत्या सम्भूय स्वस्तिवाचनमकार्षुः। धन्यवादज्ञापनेन, शान्तिमन्त्रेण प्रसादवितरणेन च सभायाः समापनं जातम्। सभायां सदस्यसचिवः डॉ. नितिनकुमारः, डॉ. रेणूवत्सः, डॉ. वीरेन्द्रशर्मा, डॉ. गगनदीपसिंहः, डॉ.वीरेन्द्रप्रकाशः, डॉ. मनीषभारद्वाजः, कमलेशः छात्राश्च समुपस्थिताः अभूवन्।

अंशविपणिसमाचारः
भारतीयांशविपण्यां सकारात्मकं वातावरणम्

हिमसंस्कृतवार्ताः- डॉ विमलेश झा, मुम्बई

अक्तूबर २०२६। सप्ताहस्य अन्तिमे व्यापारदि शुक्रवासरे भारतीयांशविपण्यां वृद्धियुक्तः व्यवस सम्पन्नः जातः। सूचना-प्रौद्योगिकीक्षेत्र औषधनिर्माणक्षेत्रस्य च अंशपत्रेषु निवेशक क्रयप्रवृत्तेः कारणेन प्रमुखसूचकाङ्कयोः वृ अभवत्। मुम्बई-अंश-विपण्यस्य त्रिंशदंशात्म सेन्सेक्स-सूचकाङ्कः ३०८.४९ अङ्कैः अर्थात् ०. प्रतिशतं वर्धित्वा ७४,४५९.५३ अङ्केषु समापि तथैव राष्ट्रिय-अंश-विपण्यस्य निफ्टी- पञ्चाश सूचकाङ्कः ११६.३५ अङ्कैः अर्थात् ०.५१ प्रति वर्धित्वा २३,०५३.१० अङ्कान् प्राप्तवान्। क्षेत्रीयसूचकाङ्केषु सूचना-प्रौद्योगिकीक्षेत्रे सर्वाधि लाभः दृष्टः। निफ्टी-आईटी-सूचकाङ्कः २ प्रतिशतं, निफ्टी-फार्मा-सूचकाङ्कः १.६७ प्रति तथा निफ्टी-हेल्थकेयर-सूचकाङ्कः १.५९ प्रति वर्धिताः। अपि च वाहननिर्माणं, धा सञ्चारमाध्यमम्, भू-सम्पद्व्यवसायः र सार्वजनिकक्षेत्रस्य वित्तकोषव्यवसायः इत्येते क्षेत्राणां अंशपत्रेषु न्यूनता अभवत्।

प्रमुखसूचकाङ्कयोः वृद्धेः अनन्तरं व्यापकविपण्यां दुर्बलता परिलक्षिता। निफ्ट मिडकैप- शतकम् ०.९३ प्रतिशतं तथा निफ्ट स्मॉलकैप- शतकम् १.८५ प्रतिशतं न्यूनतां गत बैंक- निफ्टी-सूचकाङ्कः अपि २२२.७० अ पतित्वा ५४,६८६.९५ अङ्केषु समापितः।

विदेशी-मुद्राविपण्यां भारतीयं रुप्यक अमेरिकीय-डॉलरेत्यस्य तुलनायां सुदृढं भू ९४.९५ इति स्तरे समापितम्। अपि

प्रतिवेदन-प्रस्तोता
डॉ.विपिनकुमारः
(वाक्यार्थपरिषदक्ष्यक्षः)